

कृष्णमृग की संख्या में वृद्धि

भारतीय वजिज्ञान संस्थान (IISc) के एक नए अध्ययन के अनुसार, भारत में **कृष्णमृग (Blackbuck)** ने अपने अस्तित्व के लिये प्राकृतिक और मानव जनित खतरों के बावजूद स्वयं को सफलतापूर्वक अनुकूलित कर लिया है।

- भारत भर में घास के मैदानों में बड़े पैमाने पर कमी आने के बावजूद, आँकड़े बताते हैं कि हाल के वर्षों में कृष्णमृग की संख्या में वृद्धि हुई है।

कृष्णमृग या काला हरिण (Blackbuck):

- **परिचय:**
 - कृष्णमृग का वैज्ञानिक नाम '*Antelope cervicapra*' है, जिसे 'भारतीय मृग' (Indian Antelope) के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत और नेपाल में मूल रूप से स्थानिक मृग की एक प्रजाति है।
 - ये राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और अन्य क्षेत्रों (संपूर्ण प्रायद्वीपीय भारत) में व्यापक रूप से पाए जाते हैं।
 - ये घास के मैदानों में सर्वाधिक पाए जाते हैं अर्थात् इसे घास के मैदान का प्रतीक माना जाता है।
 - कृष्णमृग एक दैनंदिनी मृग (Diurnal Antelope) है अर्थात् यह मुख्य रूप से दिन के समय ज्यादातर सक्रिय रहता है।
- **मान्यता:**
 - इसे पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश का राजकीय पशु घोषित किया गया है।
- **सांस्कृतिक महत्त्व:**
 - यह हिंदू धर्म के लिये पवित्रता का प्रतीक है क्योंकि इसकी त्वचा और सींग को पवित्र वस्तु माना जाता है। **बौद्ध धर्म** के लिये यह सौभाग्य का प्रतीक है।
- **सुरक्षा की स्थिति:**
 - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** अनुसूची
 - **IUCN स्थिति:** कम चिंताजनक
 - **CITES:** परशिषिट III
- **चिंताएँ:**
 - आवास खिंडन, **बनों की कटाई**, **प्राकृतिक आपदाएँ**, अवैध शिकार।
- **संबंधित संरक्षण क्षेत्र:**
 - वेलावदार ब्लैकबक अभयारण्य- गुजरात
 - प्वाइंट कैलमिर वन्यजीव अभयारण्य- तमिलनाडु
 - वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने प्रयागराज के पास ट्रांस-यमुना बेल्ट में ब्लैकबक **संरक्षण रज़िर्व** स्थापित करने की योजना को मंजूरी दी थी। यह ब्लैकबक को समर्पित पहला संरक्षण रज़िर्व होगा।
 - **ताल छाप अभयारण्य**- राजस्थान

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारतीय अनूप मृग (बारहसगिा) की उस उपजाति, जो पक्की भूमि पर फलती-फूलती है और केवल घासभक्षी है, के संरक्षण के लिये निम्नलिखित में से कौन-सा संरक्षण क्षेत्र प्रसिद्ध है? (2020)

- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
- मानस राष्ट्रीय उद्यान
- मुद्गमलाई वन्यजीव अभयारण्य
- ताल छाप वन्यजीव अभयारण्य

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- मध्य प्रदेश के राज्य पशु अनूप मृग या बारहसघिा (Rucervus duvauceli) के संरक्षण हेतु उन्हें कान्हा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रज़िर्व (KNPTR) में लाया जा रहा है ।
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में अनूप मृग वल्लिप्त होने के करीब था । हालाँकि संरक्षण प्रयासों के चलते वर्तमान में इसकी जनसंख्या लगभग 800 है ।
- यह हरिण सतपुडा पहाड़ियों की मैकाल श्रेणी पर कान्हा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रज़िर्व की स्थानकि है । यहाँ कैप्टवि प्रजनन एवं आवास सुधार जैसे उपायों अपनाया गया था ।

अतः वकिल्प (a) सही है ।

स्रोत: द हट्टि

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/increase-in-blackbuck-population>

